बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-191
16/04/2020

मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

- कोरोना संक्रमण की चेन तभी टूटेगी जब प्रभावित जिले की स्क्रीनिंग में कोई घर नहीं छूटेगा
- 15 अप्रैल से पैक्सों के माध्यम से शुरू हुये गेहूँ अधिप्राप्ति के कार्य में किसानों को कोई कठिनाई नहीं हो
- लॉकडाउन में पुलिस दृढ़ता से कार्य करे किंतु लोगों के साथ विनम्रता का व्यवहार करे

पटना, 16 अप्रैल 2020 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज मुख्य सचिव एवं अन्य वरीय अधिकारियों के साथ गहन समीक्षा की। समीक्षा बैठक में कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर पल्स पोलियो अभियान की तर्ज पर डोर टू डोर कैंपेन की अद्यतन स्थिति, गेहूं की अधिप्राप्ति एवं लॉकडाउन में रोजगार सृजन को लेकर विस्तृत चर्चा हुयी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रबी फसल की कटाई हो रही है। गेहूँ की फसल का अच्छा उत्पादन हुआ है। उन्होंने निर्देश दिया कि 15 अप्रैल से पैक्सों के माध्यम से शुरु हुए गेंहू अधिप्राप्ति के कार्य ठीक ढ़ंग से करायें ताकि किसानों को कोई कठिनाई न हो। किसानों को फसल का उचित मूल्य निर्धारित समय सीमा के अंदर दिलाना सुनिश्चित किया जाय।

मुख्यमंत्री ने आज से आरंभ हुए डोर टू डोर कैंपेन की समीक्षा के क्रम में कहा कि पल्स पोलियो अभियान की तर्ज पर कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रभावित जिलों में एक्टिव स्क्रीनिंग की जाए। उन्होंने कहा कि संदिग्ध कोरोना मरीजों के सम्पर्क वाले क्षेत्रों में गहन रूप से ट्रेसिंग, टेस्टिंग एवं ट्रैकिंग करायें। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि जिन्हें भी संक्रमण की थोड़ी भी आशंका हो तो वे जॉच केन्द्र पर जाकर जॉच करायें, इससे उनके परिवार एवं आसपास के लोग भी सुरक्षित रहेंगे। जो लोग बिहार से बाहर या देश से बाहर की यात्रा कर आये हैं, वे अपनी ट्रेवल हिस्ट्री को न छिपायें। इससे उन्हें तो खतरा है ही, उनके सम्पर्क में आने वाले अपने लोगों को भी खतरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण की चेन तभी टूटेगी जब प्रभावित जिले की स्क्रीनिंग में कोई घर नहीं छूटेगा।

मुख्यमंत्री ने रोजगार सृजन की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि इसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है ताकि मजदूरों को कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन के क्रम में गाइडलाइन के अनुरूप स्थानीय मजदूरों का उपयोग किया जाय। प्रधान सचिव/सचिव खुद इसकी मॉनिटरिंग करें और इंजीनियर एवं श्रमिकों को प्रेरित भी करते रहें। उन्होंने कहा कि 7 निश्चय के कार्यक्रम हर घर नल का जल, पक्की गली–नालियॉ तथा शौचालय का निर्माण, जल–जीवन–हरियाली एवं मनरेगा के अन्तर्गत तालाबों/पोखरों का जीर्णोद्धार जैसे कार्य तेजी से शुरू करायें। स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिज्योर का पालन करें। सोशल

डिस्टेंसिंग का पालन करना, सैनिटाइजेशन कराने के साथ–साथ कार्य स्थल पर जरूरी सुविधाओं एवं सुरक्षा का ख्याल रखा जाय। मुख्यमंत्री ने प्रधान सचिव वित्त विभाग को निर्देश दिया कि रोजगार सृजन से संबंधित योजनाओं के लिए राशि की कोई कमी नहीं होने दी जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण से निपटने के लिये किये जा रहे कार्यों में डॉक्टर, हेल्थ वर्कर, पुलिस, प्रशासनिक पदाधिकारी एवं कर्मी, सफाईकर्मी तथा अन्य फ्रंटलाइन वर्कर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि इन लोगों के साथ किसी प्रकार का दुर्व्यवहार न करें। ये लोग प्रतिदिन जान जोखिम में डालकर देश और समाज के लिये काम कर रहे हैं। हम सभी का दायित्व है कि इन सभी का उत्साह बढ़ाते रहें। सभी को इनकी सुविधाओं एवं सुरक्षा का ध्यान रखना हेागा।

मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया कि लॉकडाउन में पुलिस दृढ़ता से कार्य करे लेकिन लोगों के साथ विनम्रता का व्यवहार करे। लोग लॉकडाउन का अनुशासन बनाये रखें एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। कोरोना संक्रमण से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिये सरकार हरसंभव कदम उठा रही है। लोग अपने घरों में रहें और सरकार के दिये गये निर्देशों का पालन करें। लोग घबरायें नहीं, अपने घरों में सुरक्षित रहें। उन्होंने लोगों से अपील की कि जब भी कठिन समय आया है, हमलोगों ने मिल–जुलकर मुकाबला किया है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार भी आप सबके सहयोग से कोरोना महामारी से निपटने में सक्षम होंगे।

******